Page No.:
Date:

—: शिवाजी :—

→ मराठो के उदय का तात्कालिक राजनीतिक कारण →
अहमद नगर पर मुगलों का अधिकार

→ मराठो के उदय का सामाजिक कारण →
मराठो में सामाजिक समानता

→ मराठो के उदय का धार्मिक कारण →
मराठा / महाराष्ट्र धर्म का उदय तथा शिवाजी की हिन्दू पद पादशाही की अवधारणा

→ मराठे पहले अहमद नगर व बीजापुर की सेवा मे थे।

→ प्रथम मुगल सम्राट जिसने मराठो को मुगल सेवा मे रखा → जहाँगीर

⇒ शिवाजी →

→ जन्म → 1627
स्थान → शिवनेर (पूना)

→ पिता → शाहजी भौंसले (अहमद नगर की सेवा में थे।)
माता → जीजा बाई

→ आध्यात्मिक गुरु → समर्थ राम दास

→ संरक्षक → दादा कोंडदेव

→ 1637 में शिवाजी को अपने पिता से पूना की जागीर प्राप्त हुई।

→ 1643 में बीजापुर मे "सिंहगढ का किला" जीता।

→ 1656 में बीजापुर से तोरण का पहाड़ी किला जीता।
तोरण का किलेदार → चंद्रराव मोरे

HC Choudhary - Mobile Apps

Scanned by CamScanner

→ 1656 मे रायगढ़ को राजधानी बनाया।

→ 1656 मे अहमद नगर मे लूटमार की जिसमे मुगलो से शत्रुता हुई।

→ 1659 मे शिवाजी ने प्रतापगढ मे अफजल खाँ की बाघनखा से हत्या की।

– अफजल खाँ बीजापुर का सेनापति था।

– अफजल खाँ ने कृष्णा जी भास्कर को दूत बनाकर भेजा।

– अफजल खाँ का कथन, "मै घोडे से उतरे बिना ही शिवाजी को गिरफ्तार कर लूँगा।"

→ 1663 मे औरंगजेब ने अपने मामा शाइस्ता खाँ को दक्षिण का सूबेदार बनाकर भेजा।

– शाइस्ता खाँ ने पूना दुर्ग पर अधिकार किया।

– शिवाजी ने रात के समय पूना पर हमला करके शाइस्ता खाँ पर हमला करके घायल किया।

→ 1664 मे शिवाजी ने पहली बार सूरत को लूटा।

→ 1665 मे औरंगजेब ने आमेर के मिर्जा राजा जयसिंह को शिवाजी के विरुद्ध भेजा।

– मिर्जा राजा जयसिंह का कथन → "हम शिवा को वैसे ही घेर लेंगे जैसे कोई वृत्त किसी बिन्दु को घेरता है।"

– शिवाजी का सेनापति "मुरारबाजी देशपांडे" 300 महाबली सैनिको के साथ जयसिंह से युद्ध मे मारा गया।

HC Choudhary - Mobile Apps

Scanned by CamScanner

→ पुरन्दर की संधि →

- June 1665
- शिवाजी व मिर्जा राजा जयसिंह (औरंगजेब) के मध्य
- शिवाजी ने अपने 35 में से 23 दुर्ग मुगलो को सौंपे।
- मुगलों को 04 लाख हूण राजस्व मिला
- संभाजी/शम्भाजी को 5000 घुड़सवारो की सेना के साथ मुगल सेवा में भेजना तय हुआ।
- शिवाजी ने बीजापुर के विरुद्ध मुगलों को सहायता देने का वचन दिया।

→ 1666 में शिवाजी आगरा आए किन्तु जसवंत सिंह से पीछे तीसरी पंक्ति में बिठाए जाने के कारण शिवाजी ने अपमानित महसूस किया।

- शिवाजी को आगरा के जयपुर भवन में मिर्जा राजा जयसिंह के पुत्र रामसिंह की देखरेख में नजरबंद किया गया।
- शिवाजी फलो के टोकरे में छीपकर दक्षिण भारत आए।

→ 1667 में शिवाजी ने मुअज्जम (औरंगजेब का पुत्र) से संधि की।

- औरंगजेब ने शिवाजी को शासक माना तथा "राजा" की उपाधि तथा बरार "बरार" की जागीर दी।
- औरंगजेब ने शिवाजी को पहले "पहाड़ी चूहा" कहा था।

→ 1670 में शिवाजी ने सूरत की दूसरी लूट की।

HS Choudhary - Mobile Apps

Scanned by CamScanner

→ 1674 में शिवाजी ने रायगढ़ में "विश्वेश्वर भट्ट / गंगाधर भट्ट" से राज्याभिषेक करवाया तथा छत्रपति, हैंदवधर्मोद्धारक, गौ-ब्राह्मण प्रतिपालक की उपाधि धारण की।

– शिवाजी का राज्याभिषेक मेवाड़ के सिसोदिया कुल में किया गया।

→ शिवाजी की कुलदेवी → कुलजा भवानी (चित्तौड़)

→ शिवाजी के दादा मूलोजी को सिसोदिया वंश का बताया गया।

→ पहले राज्याभिषेक के बाद जीजाबाई की मृत्यु होने के कारण तांत्रिक विधि से "निश्चलपुर गोसाईं" से दूसरा राज्याभिषेक करवाया।

– इस समय "हेनरी ऑक्सेनडेन" उपस्थित था।

→ शिवाजी के दक्षिणी प्रांत की राजधानी "जिंजी" थी।

→ शिवाजी ने प्रशासन व सहायता के लिए 08 मंत्रियों की मंत्रिपरिषद "अष्टप्रधान" की नियुक्ति की →

(1) पेशवा (प्रधानमन्त्री)
(2) सुमन्त / दबीर (विदेश मंत्री)
(3) सचिव / शुरुनवीस (पत्राचार विभाग का अध्यक्ष)
(4) वाक्यानवीस (दरबारी समारोह का प्रबंधक)
(5) सर-ए-नौबत (सेनापति)
(6) सदर मुहतसिब (धर्म तथा दान के मामलो का प्रधान)
(7) न्यायाधीश (न्याय विभाग का प्रधान)
(8) अमात्य / मजूमदार (वित मंत्री)

– दो सहायक →

(1) पोटनिस (कोषाध्यक्ष)
(2) चिटनिस (पत्राचार लिपिक)

Scanned by CamScanner

Page No.:
Date:

→ शिवाजी की **धार्मिक नीति** →

- धार्मिक श्रेष्ठता की नीति

- खाफी खाँ ने शिवाजी की धार्मिक नीति की प्रशंसा की है। तथा शिवाजी को इस्लाम का विरोधी नही माना।

- शिवाजी ने कैलोशी के बाबा याकुत के लिए आश्रम बनवाया।

- रॉबिनसन के अनुसार "शिवाजी युद्ध के बाद कैदी बनाए गए अफसरो को मुक्त कर देता था।"

- यदुनाथ सरकार ने शिवाजी को हिन्दू जाति का अन्तिम प्रतिभावान व्यक्ति तथा राष्ट्र निर्माता बताया है।

→ शिवाजी की **राजस्व व्यवस्था** →

- शिवाजी की राजस्व व्यवस्था "मालिक अम्बर" की भूमिकर व्यवस्था से प्रेरित थी।

- शिवाजी 40% भूमिकर लेते थे।

(1) चौथ → आक्रमण न करने के एवज मे वसूल किए जाने वाला संरक्षण शुल्क था।

(2) मोकास → चौथ से होने वाली आय का 66% मराठा सरदारो को घुड़सवारो की सेना के रखरखाव के लिए दिया जाता था जिसे मोकासा कहते थे।

(3) सरदेशमुखी → वंशानुगत रूप से मुखीया होने के नाते आय का 10% सरदेश मुखी लिया जाता था।

→ शिवाजी की **सैन्य व्यवस्था** →

- शिवाजी की सेना मे कोहली, मालवी व मराठे सैनिक थे।

HC Choudhary - Mobile Apps

Scanned by CamScanner

(1) पदाति → पैदल सैनिक

(2) पागा → नियमित घुड़सवार सैनिक

(3) सिलहदार → अनियमित घुड़सवार सैनिक

– शिवाजी का नौसैनिक बेड़ा "कोलाब (महाराष्ट्र)" में था।

→ शिवाजी की उत्तरी प्रांत की राजधानी → रायगढ (1656 में)

→ शिवाजी की दक्षिणी प्रांत की राजधानी → जिंजी

→ 1680 में शिवाजी की मृत्यु हुई।

HC Choudhary - Mobile Apps

Scanned by CamScanner